ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

में कर्मभोग रूपी परिस्थिति की आकर्षण को समाप्त करने वाली सम्पूर्ण नष्टोमोहा हूँ

रास्ता दिखाने वाले संसार में
लाखो ही मिल जाते है
पर मंजिल पर पहुंचाने वाला
केवल सतगुरु ही होता है

Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper

अपने आप से पूछो ऐसी बेहद की स्वतन्त्र आत्मा बने हैं! सबसे पहली स्वतन्त्रता है देहभान से स्वतन्त्र। जब चाहे तब देह का आधार ले, जब चाहे देह से न्यारे हो जाए। देह की आकर्षण में नहीं आये। दूसरी बात - स्वतन्त्र आत्मा कोई भी पुराने स्वभाव और संस्कार के बन्धन में नहीं होगी। पुराने स्वभाव और संस्कार से मुक्त होगी। साथ-साथ किसी भी देहधारी आत्मा के सम्बन्ध-सम्पर्क में आकर्षित नहीं होगी। सम्बन्ध-सम्पर्क में आते न्यारे और प्यारे होंगे। तो अपने को चेक करो - कोई भी छोटी सी कर्मेन्द्रियाँ बन्धन में तो नहीं बांधती? अपना स्वमान याद करो - मास्टर सर्वशक्तिवान, त्रिकालदर्शी, त्रिनेत्री, स्वदर्शन चक्रधारी, उसी स्वमान के आधार पर क्या सर्वशक्तिवान के बच्चे को कोई कर्मेन्द्रिय आकर्षित कर सकती? क्योंकि समय की समीपता को देखते अपने को देखो - सेकण्ड में सर्व बन्धनों से मुक्त हो सकते हो? कोई भी ऐसा बन्धन रहा हुआ तो नहीं है? क्योंकि लास्ट पेपर में नम्बरवन होने का प्रत्यक्ष प्रमाण है, सेकण्ड में जहाँ, जैसे मन-बुद्धि को लगाने चाहो वहाँ सेकण्ड में लग जाये। हलचल में नहीं आये। जैसे स्थूल शरीर द्वारा जहाँ जाने चाहते हो, जा सकते हो ना। ऐसे बुद्धि द्वारा जिस स्थिति में स्थित होने चाहो उसमें स्थित हो सकते हो? जैसे साइंस द्वारा लाइट हाउस, माइट हाउस होता है, तो सेकण्ड में स्विच आन करने से लाइट हाउस चारों ओर लाइट देने लगता है, माइट देने लगते हैं। ऐसे आप स्मृति के संकल्प का स्विच आन करने से लाइट हाउस, माइट हाउस होके आत्माओं को लाइट, माइट दे सकते हो? एक सेकण्ड का आर्डर हो अशरीरी बन जाओ, बन जायेंगे ना। कि युद्ध करनी पड़ेगी? यह अभ्यास बहुतकाल का ही अन्त में सहयोगी बनेगा। अगर बहुतकाल का अभ्यास नहीं होगा तो उस समय अशरीरी बनना, मेहनत करनी पड़ेगी। इसलिए बापदादा यही इशारा देते हैं - कि इस अभ्यास को सारे दिन में कर्म करते हुए भी अभ्यास करो। इसके लिए मन के कन्ट्रोलिंग पावर की आवश्यकता है।--30-11-2005

Achanak Aur Eveready

प्रभु सिमरन और ध्यान की मात्रा बढ़ा दो,तभी जीवन में सुख संभव है यही सब दुखों की दवाई भी है

सोचो जब साइंस की दवाई से शरीर में एनर्जी भरती हैं,तो साइलेंस में परमात्मा पिता की याद में आत्मा में कितनी एनर्जी भरेगी, तो परमात्मा सिमरन से शक्ति भरपूर करते रहें ।

शुक्रिया प्यारे शिव बाबा शुक्रिया
हमें गुणो, स्नेह की शक्ति से भरते रहें

जैसे आत्मा और शरीर कम्बाइन्ड है
तो जीवन है,
ऐसे कर्म और योग कम्बाइन्ड हो
योगी जीवन वाले बनो
योगी जीवन वालो का योग
स्वतः और सहज होता है,
उनका योग टूटता ही नहीं
जो मेहनत करनी पड़े
उन्हें कोई भी फरियाद करने की
आवश्यकता नहीं
शिवबाबा की याद में रहने से
सब कार्य स्वतः
सफल हो जाते हैं

परमपिता शिव परमात्मा

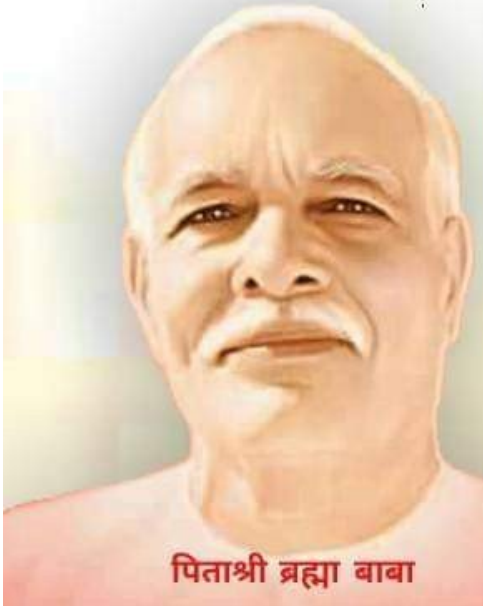

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Om Shanti

Join Brahma Kumaris

परमपिता शिव परमात्मा

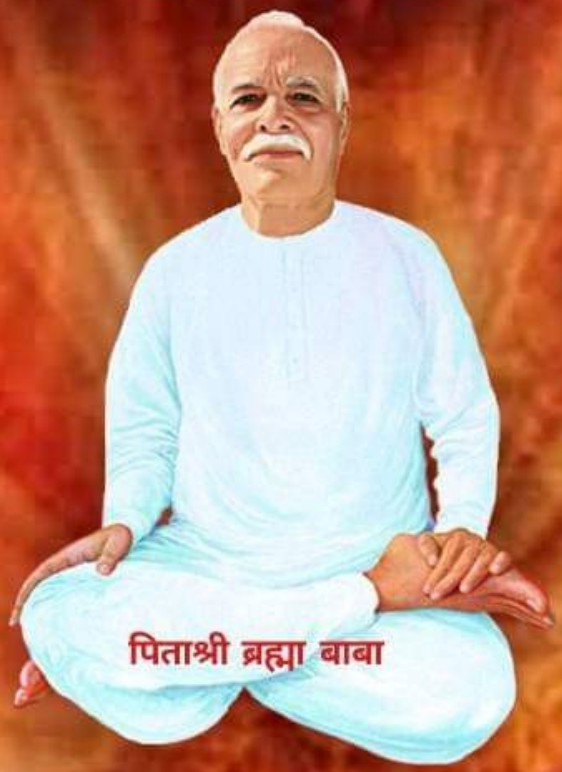

Om Shanti

योग ज्वाला अर्थात्
श्रेष्ठ संकल्पों की शक्ति
व लगन की अग्नि द्वारा ही
अपवित्रता रूपी किचड़े को
भस्म कर सकते हो

Join Brahma Kumaris

Connection with the divine energy is not a hard-work, it's a heart-work.
BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org